पाठ 33

अफ्रीका महाद्वीप : आर्थिक स्वरूप

आइए सीखें

- अफ्रीका महाद्वीप में कृषि की स्थिति कैसी है?
- अफ्रीका महाद्वीप की प्रमुख फसलें कौन-सी हैं?
- अफ्रीका महाद्वीप में कौन-कौन से खनिज पदार्थ मिलते हैं?
- अफ्रीका महाद्वीप में यातयात व परिवहन किस प्रकार का है?

किसी भी क्षेत्र की आर्थिक स्थिति वहाँ पर पाए जाने वाले संसाधनों पर निर्भर करती है। कृषि, खनिज, उद्योग और यातायात महत्वपूर्ण संसाधन है। आइए, हम इन्हीं बिन्दुओं के आधार पर अफ्रीका महाद्वीप की आर्थिक स्थिति का अध्ययन करें।

कृषि

कृषि अफ्रीका के निवासियों का मुख्य व्यवसाय है, फिर भी कृषि के क्षेत्र में यह महाद्वीप पिछड़ा हुआ है। इसके प्रमुख कारण हैं-

(1) महाद्वीप के कुल क्षेत्रफल में कृषि योग्य भूमि लगभग 10% है।

(2) महाद्वीप का अधिकांश भाग मरूस्थलीय, पठारी व वनों से ढका है।

(3) सिंचाई के साधन सीमित हैं।

(4) समुद्र तटीय भागों को छोड़कर अधिकांश भू-भाग समतल नहीं हैं।

कृषि का विकास मुख्यतः नील नदी की घाटी में हुआ है। नील नदी द्वारा लाई गई मिट्टी से नील नदी की घाटी (जो मिस्र देश में है) बहुत उपजाऊ है। इसी कारण नील नदी मिस्र के लिए वरदान है। महाद्वीप के विभिन्न भागों में जलवायु की भिन्नता के कारण अफ्रीका महाद्वीप में निम्नांकित फसलें मुख्य रूप से उगाई जाती हैं—

- **गेहूँ तथा जौ-** प्रमुख उत्पादक देश मिस्र, अल्जीरिया और मोरक्को हैं।
- **मकई (मक्का)-** अफ्रीका के लोगों का प्रमुख खाद्यान्न है, जो बेल्जियन कांगो, अंगोला, केनिया, मोरक्को में अधिक होता है।
- **कपास-** अफ्रीका में संसार की 5% कपास होती है, जो लम्बे रेशेवाली उत्तम कपास है। यहाँ का सबसे बड़ा उत्पादक मिस्र है। युगाण्डा, केनिया और नाइजीरिया अन्य उत्पादक देश हैं।

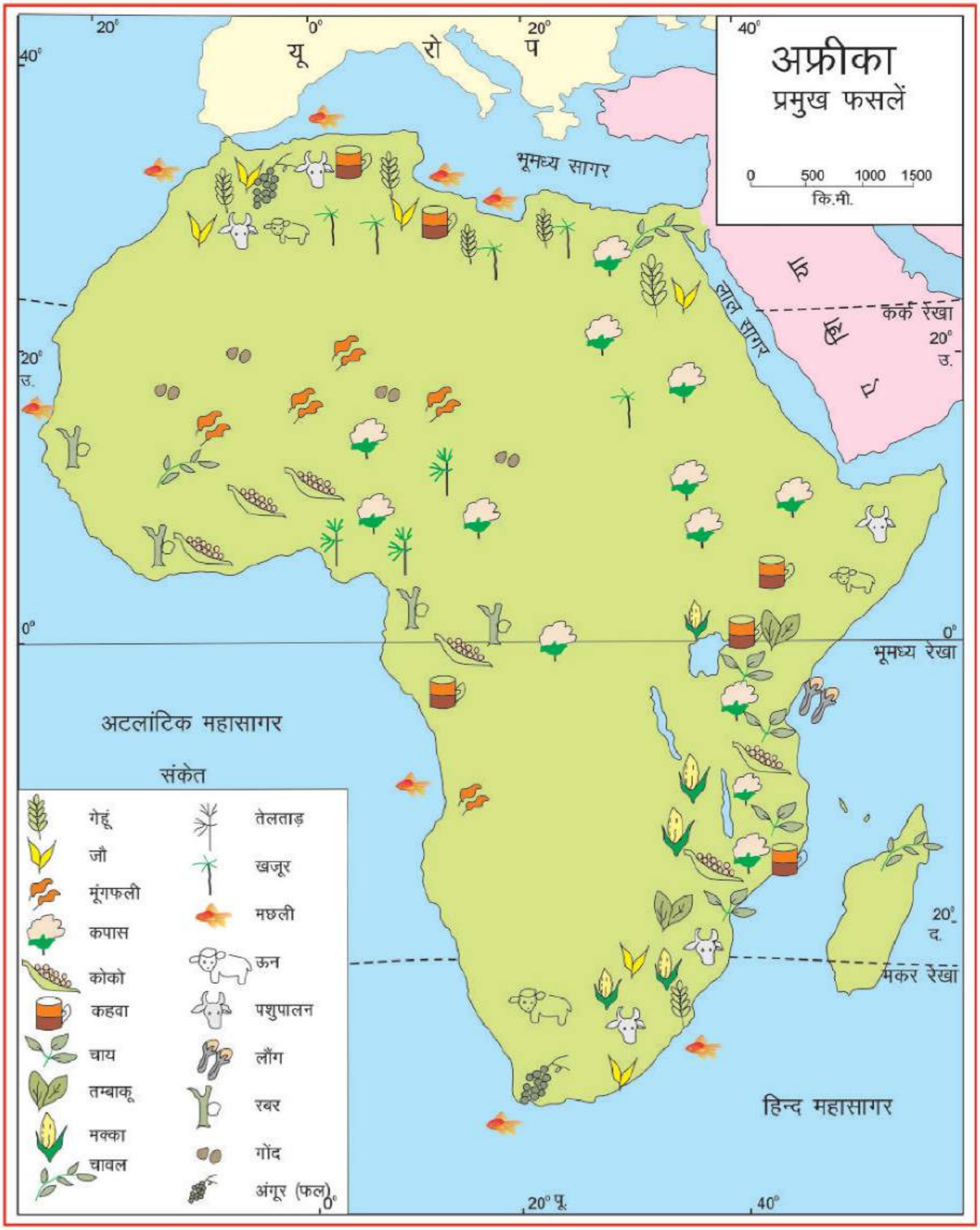

मानचित्र क्र.-24: अफ्रीका की प्रमुख फसलें

शिक्षण संकेत

- शिक्षक मानचित्रों की सहायता से कृषि फसलों और खनिजों का उत्पादन समझाएँ तथा बच्चों से रेखा मानचित्र में अंकित कराएँ।

- **मूँगफली-** अफ्रीका में संसार की 22% मूँगफली होती है। प्रमुख उत्पादक नाइजर, सूडान और नाइजीरिया है।
- **कोको-** संसार का लगभग 50% कोको घाना, नाइजीरिया, अंगोला में होता है।
- **चावल-** मलागासी, सेनेगल, नाइजीरिया प्रमुख उत्पादक है।
- **लौंग-** विश्व की लगभग 90% लौंग जंजीबार व पेंबा द्वीपों में होती है।

इन फसलों के अलावा कहवा, चाय, गन्ना, ज्वार-बाजरा, खजूर और फलों की खेती भी होती है।

खनिज पदार्थ

अफ्रीका महाद्वीप खनिजों के भण्डार में बहुत धनी है, परन्तु उनका उत्पादन कम होता है। प्रमुख खनिज निम्नलिखित हैं—

- **हीरा-** संसार का 95% हीरा अफ्रीका में खोदा जाता है। प्रमुख उत्पादक देश जायरे, बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका हैं।
- **सोना-** विश्व का लगभग 50% से अधिक उत्पादन अफ्रीका में होता है। प्रमुख उत्पादक दक्षिणी अफ्रीका, सेन्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, दक्षिण रोडेशिया व घाना है।
- **ताँबा-** ताँबे के प्रमुख उत्पादक देश काँगो (प्रजातांत्रिक गणराज्य), जाम्बिया एवं दक्षिण अफ्रीका है।
- **मैंगनीज-** घाना और दक्षिण अफ्रीका में पाया जाता है।
- **लोहा-** मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया में मिलता है।

उपरोक्त खनिजों के अलावा यूरेनियम, जस्ता, सीसा, चाँदी, कोयला, टिन, क्रोमियम आदि का उत्पादन भी अफ्रीका में होता है। (देखिए मानचित्र क्र. 25)।

औद्योगिक विकास

अफ्रीका में ऊँची पठारी भूमि और वनों की अधिकता से यातायात का विकास कम हुआ है। इस कारण औद्योगिक विकास भी कम हुआ है। कृषि पर आधारित उद्योगों में फलों से शराब बनाना, गन्ने से शक्कर बनाना, कपास से सूती वस्त्र बनाना, सिगरेट बनाना तथा जैतून का तेल निकालना आदि प्रमुख हैं।

पशुपालन और भेड़ पालन के आधार पर चमड़ा उद्योग तथा ऊनी वस्त्र बनाने के उद्योग विकसित हुए है।

बड़े उद्योगों का विकास दक्षिणी अफ्रीका और मिस्र में अधिक हुआ है। जहाँ लोहा-इस्पात, सीमेन्ट, वस्त्र व धातु के बर्तन बनाए जाते हैं। प्रिटोरिया, जोहन्सबर्ग, डरबन, काहिरा और सिकन्दरिया बड़े औद्योगिक केन्द्र हैं। (देखिए मानचित्र क्र. 25)।

यातायात व परिवहन

पहाड़ी व पठारी भूमि, घने वन, मरूस्थल और दलदली भूमि की अधिकता के कारण यातायात के मार्गों का विकास कम हुआ है। जिससे व्यापार भी सीमित है। वनों से मनुष्य और खच्चर, वनोपज

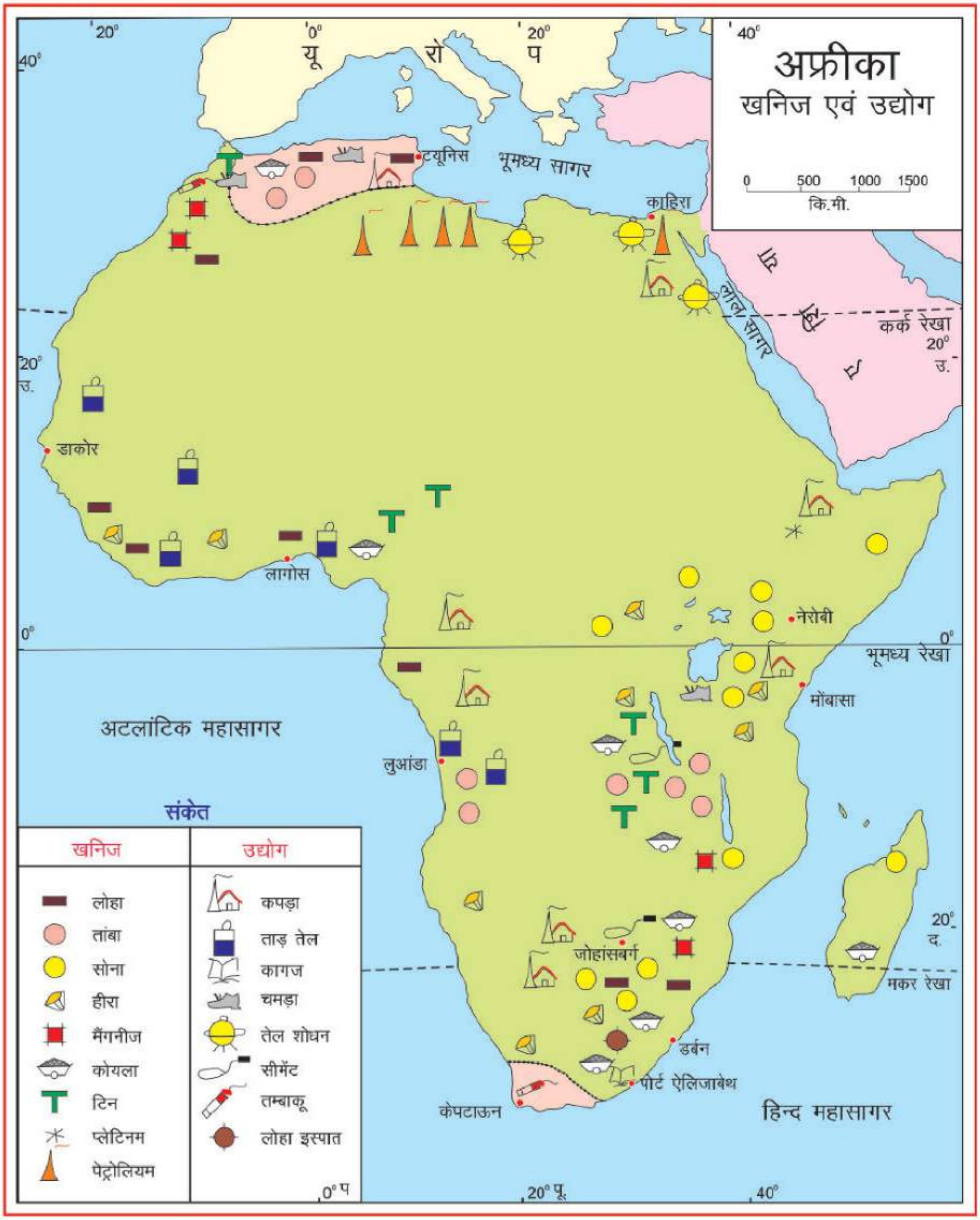

मानचित्र क्र.-25: अफ्रीका के खनिज एवं उद्योग

शिक्षण संकेत

- शिक्षक औद्योगिक विकास एवं यातायात के साधनों को पढ़ाते समय मानचित्र का प्रयोग अवश्य करें और जहाँ आवश्यक हैं वहाँ स्पष्टीकरण करें।

ढोते हैं। मरूस्थलों में ऊँट कारवां मार्गों पर यातायात के साधन हैं।

रेल तथा सड़क मार्ग- अफ्रीका में इन दोनों मार्गों का विकास कम है। अधिकांश रेल व सड़क मार्ग खनिज व औद्योगिक केन्द्रों को आपस में जोड़ते हैं। रेलों व सड़कों का सबसे ज्यादा विकास दक्षिणी अफ्रीका में हुआ है, जहाँ सभी बड़े नगर इनसे जुड़े हैं। अफ्रीका का सबसे महत्वपूर्ण रेल मार्ग केप-काहिरा रेलमार्ग है जो महाद्वीप के उत्तर में काहिरा से लेकर दक्षिण अफ्रीका में केप प्रान्त तक 8800 किलोमीटर लम्बा है। मिस्त्र, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया आदि में भी परिवहन साधनों का विकास हुआ है।

जल मार्ग- अफ्रीका के मध्य में नदियाँ ही परिवहन का मुख्य साधन हैं। न्यासा, विक्टोरिया, टैगानिका व चाड झीलें जल मार्ग का काम करती हैं। बाह्य जल मार्गों में दो समुद्री मार्ग महत्वपूर्ण हैं। 1. स्वेज मार्ग, 2. केप मार्ग। स्वेज नहर का मार्ग बनने से यूरोप से आस्ट्रेलिया की दूरी 6450 किलोमीटर कम हो गई, अतः यह अफ्रीका का सबसे महत्वपूर्ण एवं विश्व का प्रसिद्ध जल मार्ग है।

वायु मार्ग- स्थल मार्गों की कमी के कारण यातायात हेतु वायु मार्गों का महत्व अधिक है। महाद्वीप के सभी बड़े नगरों से वायुयान चलते हैं।

व्यापार

अफ्रीका महाद्वीप में आयात होने वाली प्रमुख वस्तुएँ निम्नांकित हैं—

सूती, ऊनी व रेशमी वस्त्र, शक्कर, सीमेंट, दवाइयाँ, रसायनिक पदार्थ, मशीनें, रेलों का सामान, कागज आदि।

महाद्वीप से निर्यात होने वाली प्रमुख वस्तुएँ निम्नांकित हैं—

दक्षिणी अफ्रीका से सोना, हीरे, मशीनरी, खाद्य पदार्थ। इथियोपिया से काफी, खालें, दालें, तिलहन। मिस्त्र से पैट्रोलियम, कपास, वस्त्र, फल। अल्जीरिया से प्राकृतिक गैस, जैतून का तेल, मदिरा, मशीनरीं। अन्य वस्तुओं में चाय, काफी, कोको, रबर, गोंद, मसाले, ऊन आदि सम्मिलित हैं।

अफ्रीका के निवासी- अफ्रीका महाद्वीप की जनसंख्या लगभग 54 करोड़ है अर्थात् विश्व की 12.4% जनसंख्या इस महाद्वीप में निवास करती है। महाद्वीप में धरातलीय विषमता के कारण जनसंख्या वितरण असमान है। अफ्रीका में जनसंख्या का घनत्व लगभग 21 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। महाद्वीप में अरब और मूर जाति के लोग अधिक हैं। नील नदी की घाटी और दक्षिण अफ्रीका में जनसंख्या घनी है। शेष भागों में जनसंख्या विरल है। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जिनमें अरबी, इटालवी, फ्रांसीसी, अंग्रेजी प्रमुख है। इसके अतिरिक्त अनेक स्थानीय भाषाएँ बोली जाती हैं।

इस महाद्वीप में बहुत सी आदिवासी जातियाँ रहती हैं, जैसे— सहारा मरूस्थल में— तुरेग, नीग्रो और बण्टू, मध्य अफ्रीकी वनों में पिग्मी (छोटे कद का) और दक्षिण के कालाहारी मरूस्थल में— बुशमेन तथा होटेनटाट।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) अफ्रीका महाद्वीप की कुल कितने प्रतिशत भूमि कृषि योग्य हैं?

(अ) 10 प्रतिशत (ब) 20 प्रतिशत

(स) 30 प्रतिशत (द) 40 प्रतिशत

(2) अफ्रीका में कृषि का विकास किस क्षेत्र में अधिक हुआ है?

(अ) सहारा मरूस्थल (ब) नील नदी की घाटी

(स) मध्य अफ्रीका (द) दक्षिण अफ्रीका

(3) अफ्रीका में विश्व की 90% उपज किस वस्तु की होती है?

(अ) मूँगफली (ब) कोको

(स) लौंग (द) चाय

(4) केप काहिरा रेल मार्ग की लम्बाई है-

(अ) 5620 कि.मी. (ब) 4530 कि.मी.

(स) 6710 कि.मी. (द) 8800 कि.मी

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) संसार का ------ प्रतिशत हीरा अफ्रीका महाद्वीप में निकाला जाता है।

(2) अफ्रीका में सर्वाधिक कपास ------- देश में उत्पन्न होती है।

(3) -------- विश्व का प्रसिद्ध जलमार्ग है।

(4) जिम्बाब्वे की राजधानी ---------- है।

(5) अफ्रीका महाद्वीप की जनसंख्या लगभग ------ करोड़ है।

3. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)		(ब)
(1)	मकई	-	जनजाति
(2)	हीरा	-	रेलमार्ग
(3)	सहारा	-	अफ्रीका का मुख्य खाद्यान्न
(4)	बुश मैन	-	दक्षिण अफ्रीका
(5)	केप-काहिरा	-	मरूस्थल

4. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) मिस्त्र में किस प्रकार की कपास उत्पन्न होती है?

(2) अफ्रीका के दो महत्वपूर्ण खनिजों के नाम लिखिए।

(3) अफ्रीका महाद्वीप की आयात और निर्यात की प्रमुख वस्तुएँ कौन-कौन सी हैं?

(4) बुश मैन, तुरेग और पिग्मी (बौने) किस-किस क्षेत्र में पाए जाते हैं?

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) अफ्रीका महाद्वीप की प्रमुख फसलों के उत्पादन क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

(2) अफ्रीका में औद्योगिक विकास का वर्णन कीजिए।

(3) अफ्रीका महाद्वीप की खनिज सम्पदा के विषय में लिखिए।

मानचित्र कार्य – निम्नांकित को अफ्रीका के मानचित्र में दर्शाइए–

(1) नील नदी घाटी (2) जंजीबार व पेंबा द्वीप (3) स्वेज मार्ग

(4) हीरा खनन क्षेत्र (5) दक्षिण अफ्रीका (6) केप काहिरा रेलमार्ग

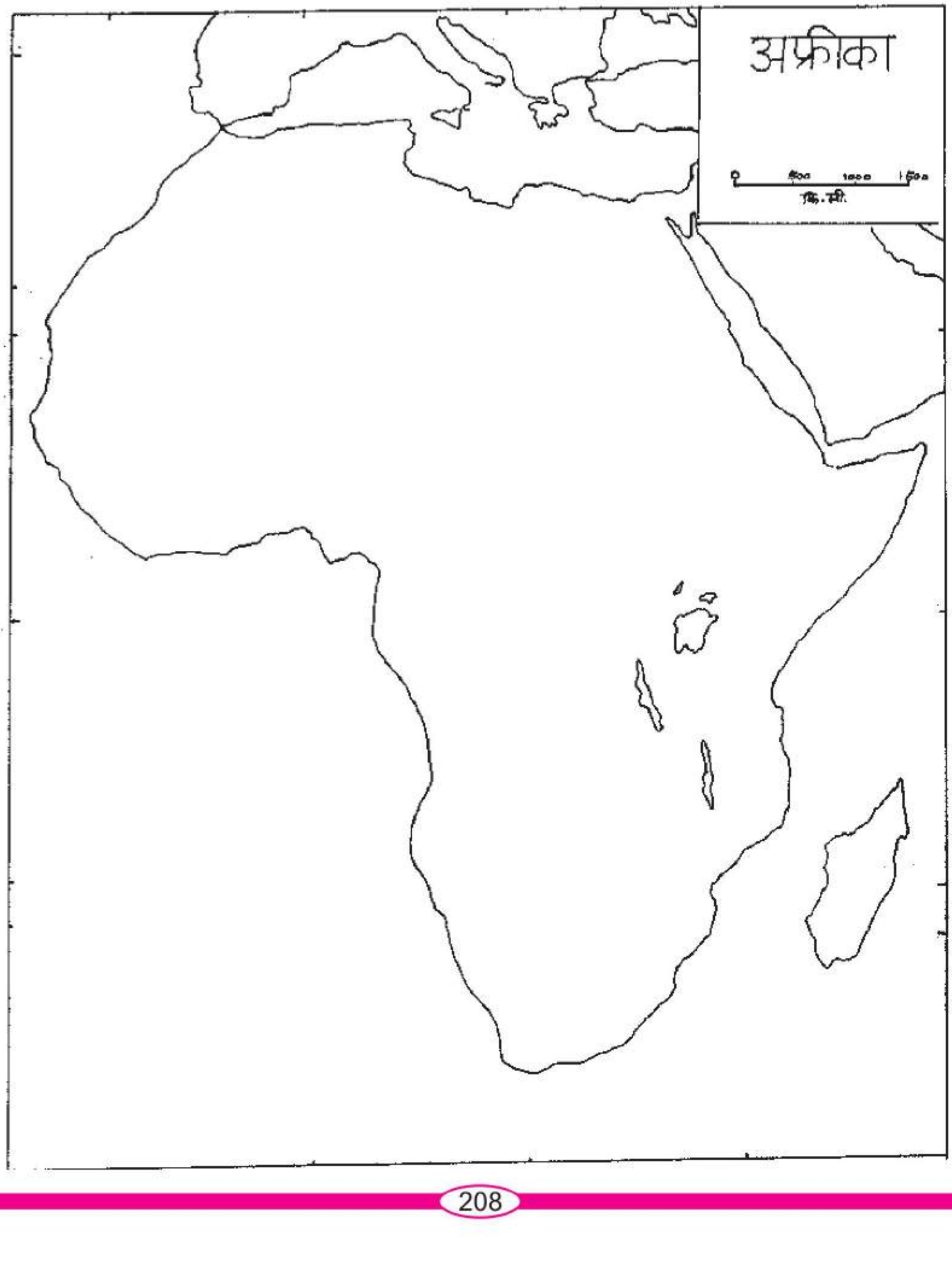

विविध प्रश्नावली - 3

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) पानीपत का तृतीय युद्ध किस-किस के मध्य हुआ था–

(अ) मराठों और अहमदशाह अब्दाली

(ब) औरंगजेब और तुर्कों

(स) सिक्खों और अहमदशाह अब्दाली

(द) सिक्खों और मराठों

(2) अकबर के शासन काल में साम्राज्य कितने सूबों में विभक्त था–

(अ) 20 (ब) 22

(स) 18 (द) 11

(3) आन्ध्रप्रदेश की प्रमुख जनजाति है–

(अ) कहार (ब) चेंचुस

(स) भील (द) सहरिया

(4) वियना में मानव अधिकारों पर विश्व सम्मेलन किस वर्ष में हुआ था–

(अ) 1997 (ब) 1991

(स) 1993 (द) 2001

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप का विश्व में .... स्थान है।

(2) अफ्रीका में जनसंख्या का घनत्व .... व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।

(3) सिक्ख धर्म के प्रणेता .... थे।

(4) छिन्दवाड़ा के तामिया में .... दर्शनीय स्थल है।

(5) उच्चतम न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा .... अन्य न्यायाधीश होते हैं।

3. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)		(ब)
(1)	टुण्ड्रा	-	मरुस्थल
(2)	सहारा	-	कम आबादी
(3)	सूरदास	-	टोड़ा जनजाति
(4)	फतेहपुर सीकरी	-	सूरसागर
(5)	नीलगिरी की पहाड़ियाँ	-	बुलन्द दरवाजा

4. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप के अक्षांशीय व देशान्तरीय विस्तार को बताइए।

(2) यूरोप महाद्वीप की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(3) अफ्रीका महाद्वीप की प्रमुख जलवायु विशेषताओं को लिखिए।

(4) पुरन्दर की सन्धि किस-किस के मध्य हुई थी, लिखिए।

(5) किन्हीं तीन बाल अधिकारों को लिखिए।

(6) अफ्रीका महाद्वीप में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों का उल्लेख कीजिए।

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप के भौतिक भू-भागों का वर्णन कीजिए।

(2) प्रमुख मानव अधिकारों को लिखिए।

(3) यूरोप महाद्वीप के प्राकृतिक भागों का वर्णन कीजिए।

(4) शिवाजी के शासन प्रबंध की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(5) मुगल साम्राज्य के पतन के लिए औरंगजेब को उत्तरदायी ठहराना कहाँ तक उचित है? समझाइए।

(6) मुगलकालीन सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

(7) लोक रुचिवाद पर टिप्पणी लिखिए।

अभ्यास प्रश्न-पत्र

विषय - सामाजिक विज्ञान

कक्षा - सातवीं

निर्देश :
- सभी प्रश्न हल कीजिए।
- प्रश्न क्र. 13, 14 एवं 15 में आन्तरिक विकल्प दिए गए हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) इब्नबतूता किसके शासन काल में आया था–

(अ) मोहम्मद बिन तुगलक (ब) रजिया

(स) अलाउद्दीन खिलजी (द) इब्राहिम लोदी

(2) मुगलकाल में लोगों का प्रमुख व्यवसाय था–

(अ) कृषि (ब) काष्ठ उद्योग

(स) विदेशी व्यापार (द) इनमें से कोई नहीं

(3) मध्यप्रदेश में मानव संग्रहालय स्थित है–

(अ) इन्दौर (ब) जबलपुर

(स) भोपाल (द) उज्जैन

(4) वायुदाब को मापने वाली इकाई कहलाती है–

(अ) मिलीमीटर (ब) मिलीबार

(स) मिलीग्राम (द) सेन्टीमीटर

प्रश्न 2. निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए–

	(अ)		(ब)
(1)	नुकीली पत्ती वाले वन	-	गोमतेश्वर की जैन मूर्ति
(2)	श्रवणबेलगोला	-	राष्ट्रपति
(3)	सहारा	-	टैगा
(4)	क्षमादान का अधिकार	-	मरुस्थल

प्रश्न 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) समुद्र तली के .... में मछलियाँ सर्वाधिक पाई जाती हैं।

(2) मध्यप्रदेश की विधानसभा में सदस्यों की कुल संख्या .... है।

(3) बाबर द्वारा लिखी आत्मकथा का नाम .... है।

निर्देश : निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 10-20 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 4. मध्यकालीन इतिहास के साहित्यिक स्त्रोतों के नाम लिखिए।

प्रश्न 5. भारतीय संविधान सभा के किन्ही 3 सदस्यों के नाम लिखिए।

प्रश्न 6. पृथ्वी की कौन-कौन सी गतियाँ हैं?

निर्देश : निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 7. चोलकालीन स्थापत्य कला के उदाहरण दीजिए।

प्रश्न 8. अकबर की धार्मिक नीति का संक्षेप में वर्णन कीजिए?

प्रश्न 9. प्रमुख बाल अधिकारों को लिखिए?

प्रश्न 10. मौसम और जलवायु में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11. मिश्रित खेती किसे कहते हैं?

प्रश्न 12. विधानसभा सदस्य बनने के लिए निर्धारित अर्हताओं को लिखिए।

निर्देश निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 13. 'शिवाजी में उच्चकोटि की प्रशासनिक क्षमताएँ थीं', स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सल्तनतकालीन भाषा, साहित्य एवं विज्ञान का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 14. भारत के राष्ट्रपति को प्राप्त शक्तियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

भारत के नागरिकों को प्राप्त स्वतंत्रताओं को लिखिए?

प्रश्न 15. अफ्रीका महाद्वीप के धरातलीय स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

यूरोप की जलवायु तथा वनस्पति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 16. निम्नांकित को एशिया महाद्वीप के रेखा मानचित्र में दर्शाइए–

(1) हिमालय पर्वत (2) साइबेरिया का मैदान

(3) रबर उत्पादक देश (4) ट्रान्स-साइबेरियन रेलमार्ग

(5) स्वेज नहर ____________________

यदि आपके घर या परिवार में कोई दृष्टिहीन बच्चा है तो –

- एक दृष्टिहीन बच्चे को भी उन सभी चीजों की ज़रूरत होती है जो सामान्य बच्चों को होती है। उसे प्यार की ज़रूरत है, दया की नहीं। वह भी अपने घर परिवार के सदस्यों व चीजों के बारे में छूकर, ध्वनि, गंध आदि से जानते हैं।
- शिशु सबसे पहले अपने हाथ पाँव से ही खेलना सीखता है, चूंकि वह अपने हाथ या पांव की गति को देख नहीं सकता, अतः अंगों का एहसास (जैसे– हाथ/पैर की उंगलियाँ, पैर, नाक, कान आदि) कराने, स्वाद लेने, सुगंध से तथा बोलकर समझा सकते हैं।
- बच्चों को अपने व दूसरों के चेहरे के स्पर्श एवं आवाज़ से तुलना कराएं ताकि वह लोगों में भेद कर पहचान सकें।
- बच्चे के पास ही आवाज़ करने वाले खिलौने रखें तथा उन्हें बच्चे के पास ही टांग दें ताकि वह उन खिलौने तक आवाज़ के माध्यम से पहुंचे तथा खेले।
- ऐसे बच्चे को अलग–अलग दिशाओं से आवाज़ देकर बुलाएं और उसे प्रेरित करें कि वह उसी दिशा की ओर बढ़े।
- यह अवश्य याद रखें कि दृष्टिहीन बच्चा शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ होते हुए भी उम्र के शुरुआती दिनों में कुछ मंद–सा प्रतीत हो सकता है। जैसे कि, हो सकता है कि वह बोलना व चलना देरी से सीखे।
- छोटी उम्र में सामान्य बच्चे जो क्रियाकलाप करते हैं वही करने हेतु दृष्टिहीन बच्चे को माता–पिता प्रेरित करें। जैसे– चीजों को मुंह में लेना, चीजों को फेंकना, बजाना आदि। बच्चे इस तरह के क्रियाकलापों के द्वारा विभिन्न प्रकार के पदार्थों की विशेषताएं जानते हैं, जैसे स्टील के बर्तन की आवाज़, प्लास्टिक की आवाज़ से भिन्न होती है। उनका वज़न व मुँह में लेने पर उनका स्वाद भी अलग–अलग होता है।
- अधिकतर दृष्टिहीन बच्चों को चलना फिरना सीखने में कठिनाई होती है। उन्हें स्वतंत्र रूप से चलने फिरने के लिए अभिभावक को अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा। जैसे जब बच्चा धीरे–धीरे खिसकने, घुटने के बल चलना शुरू करें तब कुछ आवाज़ करने वाले खिलौने अथवा जो चीजें बच्चों को पसंद हैं आसपास रख दें ताकि वह उनकी तरफ बढ़े व उन्हें ढूढ ले ऐसा करने से बच्चा आसपास के वातावरण व चीजों को खोजने के लिये प्रेरित होगा ।
- जब बच्चा चलना फिरना शुरू करे तब यह अवश्य ध्यान रखें कि घर के सामान इस तरह रखें हों कि बच्चा उनसे न टकराए और ना ही कोई नुकीले कोने वाले फर्नीचर घर में रखें। सामानों की जगह भी बार–बार न बदलें, क्योंकि घर में होने वाले सभी क्रियाकलापों से वह अवगत रहे। जैसे– रसोईघर में बर्तनों की आवाज़, झाडू लगने की आवाज़ , नल की आवाज़ , गाड़ियों के आने जाने की आवाज़।
- दृष्टिहीन बच्चे को हाथ पकड़कर चलना सिखाएं, फिर दीवार या तीन पहिए वाली गाड़ी की सहायता से भी चलाया जा सकता है। ऐसे बच्चों को हमेशा हाथ आगे की ओर करके चलने के लिए प्रेरित करें।
- 6–7 वर्ष की आयु में दृष्टिहीन बच्चों को छड़ी की सहायता से स्वतंत्र रूप से चलना सिखाएं।
- ऐसे बच्चों को सदा ही सामान्य विद्यालय में सामान्य बच्चों के साथ ही पढ़ाएं।
- ऐसे बच्चे को घर पर ही मौखिक रूप से बहुत सी ज्ञान के बातें (विद्यालय जाने से पहले) सिखाई जा सकती है। जैसे मौखिक गिनती, कविताएं, आकारों का ज्ञान इत्यादि।

लाडो अभियान

"बच्चों का भविष्य दांव पर न लगाए, उन्हें पढ़ने आगे बढ़ने का मौका दें"

"18 वर्ष से कम उम्र की बालिका व 21 वर्ष से कम उम्र के बालक का विवाह, कानूनन अपराध है। ऐसे विवाह में शामिल सभी व्यक्ति अपराधी की श्रेणी में आते है चाहे वह जनसामान्य हो, या विवाह में सेवा देने वाले सेवा प्रदाता, बाल विवाह में उपस्थित व सम्मिलित होने पर 2 वर्ष का कठोर कारावास या ₹ 1,00000-/ (एक लाख) का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

बाल विवाह की सूचना जिला कलेक्टर, आंगनवाड़ी केन्द्र, शिक्षक, पुलिस थाना, चाईल्ड लाईन 1098, हेल्प लाईन 1090, पत्रकार, पंच, सरपंच आदि को देकर बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सकते है"

समग्र स्वच्छता अभियान संदेश

1. खाना खाने के पहले हाथ धोएँ।
2. शौच के बाद साबुन से हाथों को अवश्य धोएँ।
3. शौच के लिए शौचालय में ही जाएँ।
4. घड़े में से पानी डंडी वाले लोटे से ही निकालें, पानी में उंगलियाँ नहीं डुबाना चाहिए।